(e) Steel Authority of India Ltd. had awarded four global contracts to the leaders of the Consortium whose prices were the lowest. M/s. Birla Technical Services (BTS) were members of these Consortia. SAIL had found Mls. BTS competent.

मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कारपोरेशन द्वारा स्क्रैप का आयात

2410. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री रणजीत सिंह

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कारपोरेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ;

(ख) यदि हां, तो समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जाने के पश्चात् उक्त निगम को क्या-क्या नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि देश के छोटे-छोटे इस्पात संयंत्रों को आयातित स्क्रैप उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी इस निगम की है ;

(घ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रति वर्ष देश के छोटे इस्पात संयंत्रों की स्क्रैप की कितने प्रतिशत मांग निगम द्वारा पूरी की गई ; और

(ङ) क्या यह भी सच है कि छोटे इस्पात संयंत्रों के प्रतिनिधियों ने इस आशय के अभ्यावेदन प्रस्तुत किये हैं कि निगम अपनी जिम्मेदारी पूरी करने में समर्थ नहीं था, यदि हां, तो निगम को और अधिक जिम्मेदारियां सौंपे जाने के क्या कारण हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) जी, हां।

(ख) समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद मैटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन लिमिटेड को कोई नई जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है ।

(ग) कार्बन इस्पात प्रगलन स्क्रैप का आयात करने के लिए मैटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन एक माध्यम एजेंसी है । फिर भी, प्रयोक्ता उद्योग भी स्क्रैप का आयात निर्यात आयात पत्र (पहले आर. ई.पी. लाइसेंस) के माध्यम से सीधे करते हैं।

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान एम.एस.टी.सी. द्वारा स्क्रैप की पूरी की गई पंजीकृत मांग का प्रतिशत निम्नलिखित है :—

वर्ष	एमएसटीसी द्वारा पूरी की गई पंजीकृत मांग का प्रतिशत
1988–89 . .	45.14
1989–90 . .	25.57
1990–91 . .	33.00

इसके अतिरिक्त, प्रयोक्ता उद्योग भी आर. ई. पी./लाइसेंस और सीधे लाइसेंस के माध्यम से सीधे आयात करते हैं।

(ङ) स्क्रैप की अपर्याप्त सप्लाई के बारे में स्टील फर्नेस एशोसिएशन आफ इंडिया और अलग-अलग यूनिटों से भी अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं । पर्याप्त विदेशी मुद्रा की अनुपलब्धता के कारण एमएस टी सी प्रयोक्ता उद्योगों की सम्पूर्ण आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सका । फिर भी इस प्रकार के उद्योग भी आर. ई. पी./लाइसेंस (अब निर्यात-आयात पत्र) और सीधे लाइसेंस के माध्यम से स्क्रैप का सीधे आयात कर सकते हैं।

छोटे इस्पात संयंत्रों की समस्याएं

2411. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 14 अक्तूबर 1991 के फाईनेंशियल ऐक्सप्रैस